आईआईटीएम की 45वीं 'प्रो. आर. अनंतकृष्णन' वार्ता
IITM's 'Prof. R. Ananthakrishnan' Colloquium (45th)

स्वर्गीय प्रो. आर. अनंतकृष्णन (आई.आई.टी.एम., पुणे के पूर्व निदेशक और मानद अध्येता) ने नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो. सी.वी. के मार्गदर्शन में प्रकाश प्रकीर्णन के क्षेत्र में एक शोध विद्वान के रूप में अपनी शोध जीविका की शुरुआत की और मद्रास विश्वविद्यालय से 1937 में डी.एससी. से सम्मानित किया गया। फिर वह आई.एम.डी में शामिल हो गए और डी.डी.जी तक कई पदों पर बने रहे रहे और फिर उन्होंने 1968-1971 के दौरान आई.आई.टी.एम के निदेशक के रूप में काम किया। उन्हें 1969 में भारत के राष्ट्रपति द्वारा पद्मश्री और सन 1988 में नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर सी.वी. रमण शतवार्षिकी पदक से सम्मानित किया गया था। उन्हें 1961 में आई.एन.एस.ए. अध्येता के रूप में चुना गया था और वे कई विद्वत और पेशेवर समाजों जैसे (भारतीय विज्ञान अकादमी, महाराष्ट्र विज्ञान अकादमी) के सदस्य भी थे। वे कई तकनीकी समितियों और डबल्यू.एम.ओ. जेनेवा की कार्यरत समूहों से जुड़े थे। वे मौसम विज्ञान में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादक थे।

प्रो. आर. अनंतकृष्णन कोचीन विश्वविद्यालय एवं पुणे विश्वविद्यालय में मौसम विज्ञान में एम.एससी./एम.टेक. पाठ्यक्रमों को संचालित करने एवं शिक्षण प्रदान करने में गहन रूप से जुड़े हुए थे । उनके कुशल मार्गदर्शन में 12 व्यक्तियों को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई।

प्रो. आर. अनंतकृष्णन के अनुसंधान योगदान में व्यापक विषयों को शामिल किया गया है, जैसे प्रकाश प्रकीर्णन और रमन प्रभाव, सौर भौतिकी और उल्का खगोल विज्ञान एवं मौसम विज्ञान। मौसम विज्ञान के क्षेत्र में शामिल हैं : वायुविज्ञान, गतिकी, तापगतिकी, मानसून परिसंचरण, तूफानों और अवदाबों के पथचिहन । वायुमंडलीय दबाव एवं दोलन, भारतीय वृष्टिपात और दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत से जुड़ी विशेषताएं और ऊपरीतन वायु के आँकड़ों में त्रुटियों की पहचान। रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्होंने " हिमालय, तिब्बत और आसपास के क्षेत्रों की जलवायु विज्ञान " नामक शीर्षक से प्रकाशनों का आयोजन किया। उनके खाते में 110 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय (शोध पत्र/तकनीकी योगदान) शोध पत्र और 'एन इंट्रोडक्शन टू मिटियोरोलॉजी' नामक पुस्तक है। यह पाठ्य पुस्तक मौसम विज्ञान के क्षेत्र में आने वाले सभी नए लोगों के लिए अत्यंत उपयोगी पाई गई है। प्रो. आर. अनंतकृष्णन ने आई.आई.टी.एम. के मानद अध्येता के रूप में सेवानिवृत्ति के बाद भी अपने अंतिम दिनों तक वायुमंडलीय विज्ञान में अपने शोध और मार्गदर्शन को जारी रखा।

डॉ.अशिक पॉल

शीर्षक: " भारतीय निम्न अक्षांशों में कलकत्ता विश्वविद्यालय वीएचएफ रडार का उपयोग करके अध्ययन किए गए पृथ्वी के निकट वातावरण की विशेषताएं"

डॉ. अशिक पॉल ने कलकत्ता विश्वविद्यालय से बीटेक, एमटेक और पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। वे 2002 में विश्वविद्यालय के रेडियो भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स संस्थान में शामिल हुए और 2014 में पूर्ण रूप से प्रोफेसर बन गए। वर्तमान में, वे रेडियो भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स संस्थान के प्रमुख तथा वायुमंडलीय विज्ञान विभाग के समन्वयक भी हैं। कई जर्नलों और सम्मेलनों में इनके 150 से अधिक शोध प्रकाशन हैं तथा वे 10 पीएचडी शोधप्रबंधों का पर्यवेक्षण कर चुके/रहे हैं। वे अमेरिकी भूभौतिकी संघ एवं यूरोपीय भूविज्ञान संघ के आजीवन सदस्य होने के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय रेडियो विज्ञान संघ के व्यक्तिगत सदस्य भी हैं। इन्हें 2002 में यूआरएसआई युवा वैज्ञानिक पुरस्कार और 2015 में इरास्मस मुंडस अध्येतावृत्ति से सम्मानित किया गया था। इनहोने डीएसटी, एसईआरबी, इसरो के साथ-साथ अमेरिकी वायु सेना वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यालय जैसी अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों और बहु-राष्ट्रीय बहु-संस्थागत कार्यक्रम जैसे अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष विज्ञान संस्थान, बर्न द्वारा वित्त पोषित कई अनुसंधान परियोजनाओं का नेतृत्व किया है। वर्तमान में, इनका भारत में एनएआरएल, वीएसएससी, आईआईटी-इंदौर और देश के बाहर बोस्टन कॉलेज, जर्मन एयरोस्पेस सेंटर और वायुमंडलीय अनुसंधान के लिए विश्वविद्यालय निगम के साथ सक्रिय अनुसंधान सहयोग है।

स्थान : वरहमीहिर हॉल, आई आई टी एम, पुणे

दिनांक : दिनांक: 21 दिसंबर 2023, सुबह 11:30 बजे

Youtube:

https://youtube.com/live/pxJskWPb_Ag?feature=share

आईआईटीएम की 51वीं 'प्रो. आर. अनंतकृष्णन' वार्ता
IITM's 'Prof. R. Ananthakrishnan' Colloquium (51st)

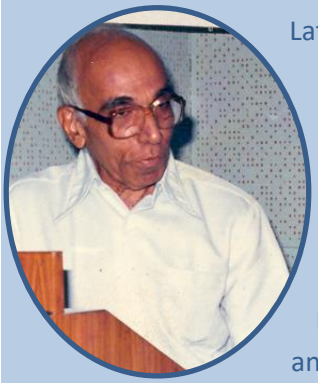

Late Prof. R. Ananthakrishnan (Ex-Director and Honorary Fellow of IITM, Pune) started his research carrier as a research scholar in the field of light scattering under the guidance of Nobel Laureate Prof. C.V. Raman and was awarded D.Sc. in 1937 from University of Madras. Then he joined IMD and occupied several positions up to DDG and then he worked as Director IITM during 1968-1971. He was awarded Padmashree by President of India in 1969 and Nobel Laureate Prof. C.V. Raman Centenary Medal in 1988. He was elected as an INSA Fellow in 1961 and was also member of many learned and professional societies like (Indian Academy of Sciences, Maharashtra Academy of Sciences). He was associated with many technical committees and working groups of WMO Geneva. He was editor of reputed national and international journals in Meteorology.

Prof. R. Ananthakrishnan was deeply associated in organizing and teaching M.Sc./M.Tech. Courses in Meteorology at University of Cochin and University of Pune. Under his able guidance 12 persons were awarded Ph.D.

Research contribution of Prof. R. Ananthakrishnan covers wide range topics *viz.* Light Scattering and Raman Effect, Solar Physics and Meteor Astronomy and Meteorology. In the field of Meteorology he covers: Aerology, Dynamics, Thermodynamics, Monsoon Circulation, Tracks of Storms and Depressions. Atmospheric pressure and oscillations, Indian Rainfall and features associated with onset of southwest monsoon and identification of errors in upper air data. To meet defense needs he organized the publications entitled 'Climatology of Himalayas, Tibet and adjoining areas'. There are 110 national/international (research papers/technical contributions) papers to his credit and a book entitled 'An introduction to Meteorology'. This text book is found to be extremely useful to all the new comers in the field of meteorology. Prof. R. Ananthakrishnan pursued his research and guidance in atmospheric science even after his retirement as an Honorary Fellow of IITM till his last days.

Dr. Ashik Paul

Title of the Talk: **" Features of near-Earth atmosphere as studied using University of Calcutta VHF Radar in the Indian low latitudes"**

Dr. Ashik Paul obtained his B.Tech. M.Tech. and Ph.D. degrees from University of Calcutta. He joined the Institute of Radio Physics and Electronics of the University in 2002 and became a full Professor in 2014. Presently, he is the Head of the Institute of Radio Physics and Electronics and also Coordinator of the Department of Atmospheric Sciences. He has more than 150 research publications in journals and conferences and supervised/supervising 10 Ph.D. theses. He is a Life Member of the American Geophysical Union and European Geosciences Union as well as Individual Member of the International Union of Radio Science. He had received the URSI Young Scientist Award in 2002 and the Erasmus Mundas Scholarship in 2015. He has leda number of Research Projects funded by DST, SERB, ISRO as well as international agencies likeUS Air Force Office of Scientific Research and multi-national multi-institutional program at the International Space Science Institute, Bern. Presently, he has active research collaborations with NARL, VSSC, IIT-Indore within India and Boston College, German Aerospace Centre and University Corporation for Atmospheric Research outside the country.

Venue: **Varahamihira Hall, IITM Pune**

Date: 21st Dec 2023, 11:30 AM

Youtube:

https://youtube.com/live/pxJskWPb_Ag?feature=share